

होना, अभिमान/गर्व से भर जाना, विद्रोह करना, चमकना।

बिबि वि. (तद्.) (संख्या में) दो, दोनों, दूसरा।

बियाबान पुं. (फा.) अरण्य, वन, जंगल, सूनसान/उजाड़ स्थान, निर्जन स्थान।

बियारू (बियालू) स्त्री. (देश.) ब्यालू, संध्या या रात्रि के पहले पहर में किया जाने वाला भोजन, बियारी, ब्यारी।

बिरला वि. (तद्.) विरल, अनेक टि. प्रायः एक, कोई, इना-गिना, नामी/गिरामी, विशिष्टता अर्थ में 'बिरला' शब्द का प्रयोग होता है जैसे- इस तथ्य को सामान्य जन नहीं समझ सकता कोई बिरला ही बताएगा।

बिरवा पुं. (तद्.) विटप, पादप, पेड़, वृक्ष, पौधा, क्षुप।

बिरसना वि. (तद्.) आनंद प्राप्त करना, विलास करना स.क्रि. सुख भोगना।

बिरहा पुं. (तद्.) विरह, वियोग, पृथकता, भोजपुरी भाषा में 'विरहा' एक प्रकार का दो पंक्तियों का छंद होता है और इस छंद में बना या गाये जाने वाला लोक गीत भी विरहा के नाम से प्रसिद्ध है।

बिरहुला पुं. (देश.) 1. विषसर्प, साँप 2. साँप के काटने पर जो विष चढ़ता है उसे उतारने का मंत्र भी "बिरहुला" के नाम से जाना जाता है।

बिरादर पुं. (फा.) फारसी में बरादर, सहोदर, बंधु, भ्राता, सगा।

बिरादरी स्त्री. (फा.) फारसी में बरादरी 1. आपसी भाईचारे का व्यवहार रखने वाला समुदाय 2. एक ही समुदाय या जाति के लोग जो अपनी बिरादरी के सदस्य माने जाते हैं और उसके प्रति उत्तरदायी होते हैं, नीतियों का पालन करते हैं मुहा. बिरादरी से बाहर होना- बिरादरी की नीति के विरुद्ध काम करने पर बिरादरी से बाहर हो जाता है; बिरादरी से बाहर कर देना- अशोभनीय कार्य करने पर संबंधित वर्ग/जाति के लोगों द्वारा

उस व्यक्ति को बिरादरी के कार्यों से बहिष्कृत कर देना।

बिराना स.क्रि. (देश.) किसी को चिढ़ाना या उसकी नकल करके मुँह बनाना, हँसी उड़ाना वि. (फा.) अन्य, अपने से अलावा, गैर, दूसरे, बिरानी चीज।

बिरियानी स्त्री. (फा.) सामिष पुलाव, पुलाव का एक प्रकार जिसमें मांस मिश्रित हो।

बिरुदैत वि. (तद्.) प्रख्यात सेनानी या योद्धा, यशवाला, नामी।

बिल पुं. (देश.) 1. जमीन में या भीत में बनाया गया छिद्र, विवर 2. चूहा, साँप, नेवला आदि जन्तुओं के रहने की जगह या बिल अं. 3. कार्य पालिका सभा, संसद आदि में पेश किया जाने वाला किसी विषय से संबंधित नियामक बिल 4. किए गए कार्य या सेवा के लिए पारिश्रामिक आदि का देयक या प्राप्यक 5. रेल, जहाज तथा पोस्ट आदि द्वारा भेजे गए सामान के मूल्य का पत्रक या बीजक। bill

बिलकुल वि.क्रि. (अर.) संपूर्ण, शुरू से आखिर तक, पूरा।

बिलखना अ.क्रि. (तद्.) रुदन करना, व्यथित होना विलाप करना, संकोच में होना।

बिलटना अ.क्रि. (तद्.) 1. लुंठन करना, जमीन पर पीठ के बल लोटना, प्रायः बच्चे जिद्द में अपना हठ पूरा करवाने के लिए बिलटने लगते हैं 2. प्रतिकूल हो जाना 3. टूट जाना, खत्म हो जाना 4. प्रयास में निष्फल हो जाना।

बिलटी स्त्री. (अं.) 1. रेल या ट्रक ट्रांसपोर्ट द्वारा भेजे गए माल की रसीद 2. माल पहुंचने पर जिससे प्राप्त किया जा सकता है, चालान, बीजक।

बिलनी स्त्री. (तद्.) 1. काली भ्रमरी जो मिट्टी के भीत पर रहती है 2. आँख की पलक या कोने में निकलने वाली फुँसी या गुहाई 3. गुहांजनी।